



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समस्त्वार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
द०२ - भ०१७	२२-११-२३	१२	२-५

भाषण, प्रैनोटरी और वर्किंग मॉडल प्रदर्शनी आयोजित रसायनों का संतुलित प्रयोग कृषि में स्थिरता के लिए जरूरी : कार्योज

हकृति के मौलिक
विज्ञान एवं मानविकी
महाविद्यालय ने रसायन
पखवाड़ा का समापन

इटिग्नूरि न्यूज ► हिसार

वर्तमान समय में कृषि में उपयोग किए जा रहे फफूंदनाशकों और कीटनाशकों के प्रति कोटों और खरपतवारों में प्रतिरोधकता का विकास कृषि उत्पादों की सुरक्षा के लिए बढ़ा खतरा बना हुआ है। इस स्थिति से निपटने के लिए नई जैव रसायनिक क्रिया को प्रदर्शित करने वाले नए उत्पादों के विकास की अत्यधिक आवश्यकता है। यह बात हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. वी.आर. कार्योज ने कही। वे मंगलवार को नोबल परस्कार विजेता प्रांसीसी महिला वैज्ञानिक मैरी बनूरी की याद में विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग व कैपस स्कूल के संयुक्त तत्वावधान द्वारा आयोजित रसायन पखवाड़ा के अंतिम दिन किसानों के लिए रसायन विज्ञान कार्यक्रम में बौतौर मुख्यतिथि बोल रहे थे। हरियाणा राज्य उच्च शिक्षा परिषद के सदस्य



हिसार। कुलपति प्रो. वी.आर. कार्योज विजेता विद्यार्थियों के साथ।

प्रो. ओमप्रकाश अरोड़ा ने इस कार्यक्रम के विषय को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि हरित क्रांति से पहले भारत की अमेरिका से अनाज आयात करना पड़ता था लेकिन कृषि वैज्ञानिकों के योगदान से अब हम दूसरे देशों को भी अनाज का नियांत कर रहे हैं। उस समय पैदावार बढ़ाने के लिए रसायनिक उत्पादकों का प्रयोग किया जाता था जोकि समय की जरूरत थी। लेकिन अब हम जैविक व प्राकृतिक खेतों को अपनाकर गणवत्ता से परिपूर्ण अनाज की पैदावार की तरफ भी ध्यान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि रसायन विज्ञान का

फसलों की उपज बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान हो सकता है। इससे पूर्व मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिकारी डॉ. नीरज कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय के कैपस स्कूल के सहयोग से आयोजित किए गए रसायन विज्ञान पखवाड़ा के दौरान भाषण प्रतियोगिता, प्रश्नोत्तरी और वर्किंग मॉडल प्रदर्शनी जैसे कार्यक्रम आयोजित किए गए जिनमें स्कूलों और कालेज के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम को रसायन विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. रजनीकांत शर्मा ने भी संबोधित किया।

कृषि में कई उत्पत्ति नुद्दे
कुलपति प्रो. वी.आर. कार्योज ने कहा कि लघुजन आदी सदी के जैविक रसायन का उपयोग कृषि व जाति उत्पादन को बढ़ावा और फसल सुरक्षा के लिए ही रहा है। रसायनों का संतुलित प्रयोग कृषि में स्थिरता के लिए जरूरी है। उन्होंने कहा कि कृषि में कई उत्पत्ति मुद्दे हैं जिनका समाधान रसायन विज्ञान ने नवाचार करके किया जा सकता है। इन मुद्दों ने ऐसे एक कृषि ने विवाहित रूप संवृष्टि की।

कार्यक्रम के अंत में कैपस स्कूल की निदेशक संतोष कुमारी ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। मंच का संचालन पीएचडी छात्रा सुवेता छावड़ा ने किया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाबी असरी	२२-११-२३	३	५-५



विजेता विद्यार्थियों के साथ कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज।

रसायनों का संतुलित प्रयोग कृषि में स्थिरता के लिए जरूरी : प्रो.काम्बोज

हिसार, 21 नवम्बर (ब्यूरो) : वर्तमान समय में कृषि में उपयोग किए जा रहे फफड़नशकों और कीटनाशकों के प्रति कीदों और खरपतवारों में प्रतिरोधकता का विकास कृषि उत्पादों की सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बना हुआ है। इस स्थिति से निपटने के लिए नई जैव रासायनिक क्रिया को प्रदर्शित करने वाले नए उत्पादों के विकास की जटिलिक आवश्यकता है। यह विचार चौधरी चरणसिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने व्यक्त किए।

इससे पूर्व मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार ने इवागत भाषण देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय के कैपस स्कूल के सहयोग से आयोजित किए गए रसायन विज्ञान परिवारों के दौरान भाषण प्रतियोगिता, प्रश्नोत्तरी और वर्किंग मॉडल प्रदर्शनी जैसे कार्यक्रम आयोजित किए गए।

भाषण प्रतियोगिता : प्रथम पुरस्कार रिद्दी ने प्राप्त किया, जबकि द्वितीय पुरस्कार रितु और तृतीय पुरस्कार हिमंशी ने जीता। एप्रिसोएशन पुरस्कार प्रिया व अलोका को मिला। इंटर कॉलेज प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में गवनरमेंट पी.जी. कॉलेज, हिसार की रेणुका भारद्वाज, मुख्कान व पंकज प्रथम जबकि इंदिरा चक्रवर्ती, सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की गुरुजन, रेणु व प्रतिभा को द्वितीय पुरस्कार मिला।

वहाँ हक्किय के कृषि महाविद्यालय से नमन, अप्रित कंबोज व प्रिया यादव तीसरे स्थान पर रहे। इंटर कॉलेज वर्किंग मॉडल प्रदर्शनी में कृषि महाविद्यालय के अंकित गावड़ी व कल्पना यादव प्रथम, ओ.डी.एम. महिला कॉलेज, मुकलान की मुख्कान व दीपि द्वितीय तथा मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय की सुशब्द व पूजा देवी तृतीय स्थान पर रहीं।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
‘अभू उत्ता’	२२-११-२३	२	१-५

रिक्षा

एचएयू में चल रहा रसायन पखवाड़ा संपन्न, कुलपति बोले-रसायनों का संतुलित प्रयोग कृषि में स्थिरता के लिए जरूरी

अंतर विद्यालय प्रश्नोत्तरी में लक्ष्य, देव, दिव्यांशी प्रथम

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। वर्तमान समय में कृषि में उपयोग किए जा रहे फंडनाशकों और कॉटनाशकों के प्रति कीटों व खरपतवारों में प्रतिरोधकता का विकास कृषि उत्पादों की सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बना हुआ है। कृषि में स्थिरता के लिए रसायनों का संतुलित प्रयोग जरूरी है। यह कहना है चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज। गत: संस्थान



एचएयू में विजेता टीमों को सम्मानित करते कुलपति प्रो. बीआर कांबोज। गत: संस्थान

वे मंगलवार को मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग व कैपस स्कूल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित रसायन पखवाड़ा के समापन पर 'किसानों के लिए रसायन विज्ञान' कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

मौलिक विज्ञान एवं मानविकी रचित मेहरा, राघव व कनिष्ठा द्वितीय, प्रणव, अनंव गंधी व सालिकी द्वितीय रहे। कुमार ने बताया कि पखवाड़ा के दौरान भाषण प्रतियोगिता, प्रश्नोत्तरी और वर्किंग मॉडल प्रदर्शनी की प्रतियोगिताएं करवाई गई। अंतर विद्यालय प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में लक्ष्य, देव, दिव्यांशी प्रथम,

ये रहे प्रतियोगिता के परिणाम

इंटर कॉलेज भाषण प्रतियोगिता : रिद्धि प्रथम, रितु द्वितीय, हिमांशी तृतीय।

इंटर कॉलेज प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता : गवर्नमेंट पीजी कॉलेज को रेणुका भारद्वाज, मुस्कान व पंकज की टीम प्रथम। इंदिरा चक्रवर्ती मामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की गुजन, रेणु व प्रतियोगिता की टीम द्वितीय, कृषि महाविद्यालय से नमन, अर्पित कांबोज व प्रिया यादव की टीम तृतीय रही।

इंटर कॉलेज वर्किंग मॉडल प्रदर्शनी : कृषि महाविद्यालय के अकित गावड़ी व कल्पना यादव प्रथम, औडीएम महिला कॉलेज मुकलान की मुस्कान व दीपि द्वितीय, मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय की खुशबू व पूजा देवी तृतीय रही।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

सुमित्राचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
२५ नवंबर २०२३	२२-११-२३	२	१-६

रसायनों का संतुलित प्रयोग कृषि में स्थिरता के लिए जरूरी: प्रो. बीआर काम्बोज

जागरण संवाददाता, हिसार: वर्तमान समय में कृषि में उपयोग विषय जा रहे हैं। कृषि विद्यालयों और कौटुम्बिकों के प्रति कीटों और खरपतवारों में प्रतिरोधकता का विकास कृषि उत्पादों की सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बना हुआ है। इस स्थिति से निपटने के लिए नई जैव रसायनिक किया को प्रदोषित करने वाले नए उत्पादों के विकास की अन्यथिक आवश्यकता है। यह विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने व्यक्त किए। वे नोबल पुरस्कार विजेता फ्रांसीसी महिला वैज्ञानिक मेरी क्षेत्री की याद में विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग व कैंपस स्कूल के संयुक्त तत्त्वावधान द्वारा आयोजित रसायन प्रख्याति के अंतिम दिन 'किसानों के लिए रसायन विज्ञान' कार्यक्रम में बौद्धि सुखातिथि बोल रहे थे।

कुलपति ने कहा कि लगभग आधी सदी से जैविक रसायन का



इवांगी के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में रसायन परिवारों में कूलपति प्रो. बीआर काम्बोज विजेता विद्यार्थियों के साथ मौजूद। प्रो. बीआर काम्बोज उपयोग कृषि में खाद्य उत्पादन को किया जा सकता है। हरियाणा राज्य निवृत्त कर रहे हैं। उस समय पैदावार बढ़ाने और फसल सुरक्षा के लिए उच्च शिक्षा परिषद के सदस्य प्रो. बद्दाने के लिए रसायनिक उत्पादकों का ओम प्रकाश अरोड़ा ने कहा कि हरियाणा की प्रयोग किया जाता था जैविक समय की जरूरत थी। लेकिन अब हम जैविक व प्राकृतिक खेतों के अपनाकर से अनाज आयात करना पड़ता था। लेकिन कृषि वैज्ञानिकों के योगदान से अनाज आयात करना पड़ता था। अब हम दूसरे देशों को भी अनाज का की तरफ भी आया दे रहे हैं।

परिणाम इस प्रकार रहे:

- भाषण प्रतियोगिता : प्रश्न पुरस्कार रिद्धी, द्वितीय पुरस्कार रितु और तृतीय पुरस्कार हिमाशी, सातवाना पुरस्कार प्रिया व अलाशा
- इंटर कालेज प्रनोतरी प्रतियोगिता : गवर्नर्मेट पीजी कालेज हिसार की रेणु भारदाज, मुरक्का व पंकज प्रथम, इदिरा बद्रवती मानुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की गुजन, रेणु व प्रीति द्वितीय, हक्काव के कृषि महाविद्यालय से नमन, अपैत कंबोज व प्रिया यादव तीसरे
- इंटर स्कूल कॉकिं माडल प्रदर्शनी : ओपी जिल बाईन स्कूल के नमन व गुरुमय की प्रकृति से भविष्य तक विषय पर प्रथम, दी आयन स्कूल के आदित्य व लीपिका की 'वैर सैनजन्म' विषय पर द्वितीय, डीएची पुलिस पब्लिक स्कूल हिसार की इशिका व अनु व प्रकृति से भविष्य तक विषय पर तृतीय पुरस्कार। दी श्रीराम युनिवर्सिटी स्कूल की समृद्धि व अनंदया, सेंट मेरी स्कूल हिसार की भूमि सुनन्दन व नेदिता तथा दिल्ली पब्लिक स्कूल हिसार के अभ्य व शिवाम की सातवाना पुरस्कार मिला।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	२२/११/२३	२	५-५

रसायनों का संतुलित प्रयोग कृषि में स्थिरता के लिए जरूरी : प्रो. काम्बोज

हिसार। वर्तमान समय में कृषि में उपयोग किए जा रहे फंडनशिकों और कीटनाशकों के प्रति कीटों और खरपतवारों में प्रतिरोधकता का विकास कृषि उत्पादों की सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बना हुआ है। इस स्थिति से निपटने के लिए नई जैव रसायनिक क्रिया को प्रदर्शित करने वाले नए उत्पादों के विकास की अत्यधिक आवश्यकता है। यह विचार एचएयू के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने व्यक्त किए। वे मंगलवार को नोबल पुरस्कार विजेता प्रांसीसी महिला वैज्ञानिक मैरी क्यूरी की याद में विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग व कैपस

स्कूल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित रसायन प्रखबाड़ा के अंतिम दिन 'किसानों के लिए रसायन विज्ञान' कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि लगभग आधी सदी से जैविक रसायन का उपयोग कृषि में खाद्य उत्पादन को बढ़ाने और फसल सुरक्षा के लिए हो रहा है। उन्होंने कहा रसायनों का संतुलित प्रयोग कृषि में स्थिरता के लिए जरूरी है।

हरियाणा राज्य उच्च शिक्षा परिषद के सदस्य प्रो. ओम प्रकाश अरोड़ा ने मुख्य सभाषण दिया। डॉ. नीरज कुमार, रसायन विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. रजनीकांत शर्मा, संतोष कुमारी, सुचेता छाबड़ा उपस्थित थे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	21.11.2023	--	--

कृषि में स्थिरता के लिए रसायनों का संतुलित प्रयोग जरूरी: प्रो. काम्बोज

पांच बजे ब्लूग

हिसार। वर्तमान समय में कृषि में उपयोग किए जा रहे फफूँदनाशकों और कीटनाशकों के प्रति कीटों और खरपतवारों में प्रतिरोधकता का विकास कृषि उत्पादों की सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बना हुआ है। इस स्थिति से निपटने के लिए नई जैव रसायनिक क्रिया को प्रदर्शित करने वाले नए उत्पादों के विकास की अत्यधिक आवश्यकता है। यह विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने व्यक्त किए। वे आज नोबल पुरस्कार विजेता प्रांसीसी महिला वैज्ञानिक मैरी क्यूरी की याद में विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग व कैपस स्कूल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित रसायन पर्यावाड़ के अंतिम दिन 'किसानों के लिए रसायन विज्ञान' कार्यक्रम में बतार मुख्यातिथि बोल रहे थे।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि लगभग आधी सदी से जैविक रसायन का उपयोग कृषि में खाद्य उत्पादन को बढ़ाने और फसल सुरक्षा के लिए हो रहा है। उन्होंने कहा रसायनों का संतुलित प्रयोग कृषि में स्थिरता के लिए जरूरी है। उन्होंने कहा कृषि में कई ज्वलंत मुद्दे हैं जिनका समाधान रसायन विज्ञान में नवाचार करके किया जा सकता है। इन मुद्दों में से एक कृषि में विषाक्त धातु संदूषण है। आसेनिक,

कैडमियम, सीसा और पारा जैसी धातुओं के उच्च स्तर के संपर्क में आने से मनुष्य में गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं पैदा होती हैं जबकि दूसरी ओर लोहा, बोरान और तांबा पौधों के विकास के लिए आवश्यक सूक्ष्म पौधक तत्व हैं। इसलिए ऐसी धातुओं का पता लगाने के लिए उन्नत विश्लेषणात्मक रसायन विज्ञान तकनीकों का उपयोग करके समय-समय पर किसानों के खेतों से ऐसी

दे रहे हैं। मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार ने बताया कहा कि रसायन विज्ञान पर्यावाड़ के दौरान भाषण प्रतियोगिता, प्रश्नोत्तरी और वर्किंग मॉडल प्रदर्शनी जैसे कार्यक्रम आयोजित किए गए जिनमें स्कूलों और कॉलेज के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिताओं के परिणाम इस प्रकार रहे: भाषण प्रतियोगिता में रिढ़ी को प्रथम, रितु ने द्वितीय व हिमांशी ने तृतीय पुरस्कार जीता। एप्रिसीएशन पुरस्कार प्रिया व अलाशा को मिला। इंटर कॉलेज प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में गवर्नमेंट पी.जी. कॉलेज, हिसार की रेणुका भारद्वाज, मुस्कान व पंकज प्रथम जबकि इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की गुंजन, रेणु व प्रतिभा को द्वितीय पुरस्कार मिला। वहीं हक्की के कृषि महाविद्यालय से नमन, अर्पित कंबोज व प्रिया यादव तीसरे स्थान पर रहे। इंटर कॉलेज वर्किंग मॉडल प्रदर्शनी में कृषि महाविद्यालय के अंकित गावड़ी व कल्पना यादव प्रथम, ओडीएम महिला कॉलेज, मुकलान की मुस्कान व दीपि द्वितीय तथा मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय की खुशबू व पुजा देवी तृतीय स्थान पर रहीं। अंतर विद्यालय प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में सेंट एथोनी स्कूल के लक्ष्य, देव मलिक व दिव्यांशी प्रथम, सिद्धार्थ इंटरनेशनल स्कूल के रचित मेहरा, राघव व कनिष्ठा द्वितीय तथा दी आर्यन स्कूल के प्रणव, अर्नव गांधी व सात्विकी रेहपड़े तृतीय स्थान पर रहे।

हरियाणा राज्य उच्च शिक्षा परिषद के सदस्य प्रो. ओम प्रकाश अरोड़ा ने कहा कि हरित क्रांति से पहले भारत को अमेरिका से अनाज आयात करना पड़ता था लेकिन कृषि वैज्ञानिकों के योगदान से अब हम दूसरे देशों को भी अनाज का निर्यात कर रहे हैं। उस समय पैदावार बढ़ाने के लिए रसायनिक उत्तरकों का प्रयोग किया जाता था जोकि समय की जरूरत थी। लेकिन अब हम जैविक व प्राकृतिक खेतों को अपनाकर गुणवत्ता से परिपूर्ण अनाज की पैदावार की तरफ भी ध्यान



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	21.11.2023	--	--

रसायनों का संतुलित प्रयोग कृषि में स्थिरता के लिए जरूरी : प्रो. काम्बोज

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार, 21 नवम्बर। वर्तमान समय में कृषि में उपयोग किए जा रहे फफूँदनाशकों और कीटनाशकों के प्रति कीटों और खरपतवारों में प्रतिरोधकता का विकास कृषि उत्पादों की सुरक्षा के लिए बढ़ा खतरा बना हुआ है। इस रिपोर्ट से निष्पत्ति के लिए नई जैव रसायनिक क्रिया को प्रदर्शित करने वाले नए उत्पादों के विकास की अत्यधिक आवश्यकता है। यह विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने व्यक्त किए। वे आज नोबल पुरस्कार विजेता

फ्रांसीसी महिला वैज्ञानिक पैरी ब्यूरी की याद में विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग व कैंपस स्कूल के समुदाय तत्वावधान द्वारा आयोजित रसायन पखवाड़ा के अंतिम दिन 'किसानों के लिए रसायन विज्ञान' कार्यक्रम में बतौर मुख्यालियत बोल रहे थे। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि लगभग आधी सदी से जैविक रसायन का उपयोग कृषि में खाद्य उत्पादन को बढ़ाने और फसल सुरक्षा के लिए हो रहा है। उन्होंने कहा कि स्थिरता का संतुलित प्रयोग कृषि में स्थिरता के लिए जरूरी है। उन्होंने कहा कि कृषि में कई जबलत मुड़े हैं जिनका समाधान रसायन विज्ञान में नवाचार करके किया जा सकता है। इन मुड़ों में से एक कृषि में विधाक धूत संदर्भण है। आर्सेनिक, कैडमियम, सीसा और पारा जैसी धातुओं के उच्च स्तर के संपर्क में आने से मनुष्य में गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं पैदा होती हैं जबकि दूसरी ओर लोहा, बोरान और तांबा पौधों के विकास के लिए आवश्यक सूक्ष्म पोषक तत्व हैं। इसलिए ऐसी धातुओं का पता लगाने के लिए



खेतों से ऐसी जानकारी एकत्र करने की पैदावार की तरफ भी ध्यान दे रहे हैं। उन्होंने आवश्यकता है। कुलपति ने रसायन वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि उनके अनुसंधान किसानों में महत्वपूर्ण योगदान हो सकता है। उन्होंने बच्चों को किताबी ज्ञान के साथ-साथ व्यवहारिक ज्ञान अर्जित करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने हमारे देश के महापुरुषों पर भी प्रकाश डाला। इससे पूर्व मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार ने स्वागत भाषण देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय के कैंपस स्कूल के सहयोग से आयोजित किए गए रसायन विज्ञान पखवाड़ा के दौरान भाषण प्रतियोगिता, प्रनोन्नती और बॉक्सिंग मॉडल प्रदर्शनी जैसे कार्यक्रम आयोजित किए गए जिनमें स्कूलों और कॉलेज के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम को रसायन विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. रजनीकांत शर्मा पहले भारत को अमेरिका से अनाज आयात ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम के अंत में करना पड़ता था लेकिन कृषि वैज्ञानिकों के कैंपस स्कूल की निदेशक श्रीमती संतोष कुमारी योगदान से अब हम दूसरे देशों को भी अनाज ने धन्यवाद प्रस्तुत किया। अंत का नियांत कर रहे हैं। उस समय पैदावार बढ़ाने संचालन पैदावार छात्रा सुनेता छावड़ा ने किया।

के लिए रसायनिक उत्पादों का प्रयोग किया इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सभी जाता था जोकि समय की जरूरत थी। लेकिन महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अब हम जैविक व प्राकृतिक खेतों को विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक, विद्यार्थी व कर्मचारी का उपयोग करके समय-समय पर किसानों के अपनाकर गुणवत्ता से परिपूर्ण अनाज की मैट्रू रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	21.11.2023	--	--

रसायनों का संतुलित प्रयोग कृषि में स्थिरता के लिए जरूरी

हक्कुवि के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में रसायन परखवाड़ा हुआ संपन्न

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। बर्तमान मम्य में कृषि में उपयोग किए जा रहे पफ़्लूटनशक्तों और कैटनशक्तों के प्रति कीटों और खरपतवारों में प्रतिरोधकता का विकास कृषि उत्पादों की सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बना हुआ है। इस स्थिरता से निपटने के लिए नई जैव रसायनिक क्रिया को प्रदर्शित करने वाले नए उत्पादों के विकास की अन्वेषक आवश्यकता है। यह निचर चौथरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. गो.आर. काम्होज ने घोषित किए। वे अजय नोबल पुस्तकालय विजेता फ्रांसीसी महिला वैज्ञानिक मैरी बृद्धी की याद में विश्वविद्यालय में आयोजित रसायन परखवाड़ा के अंतिम दिन कार्यक्रम में बौतर मुख्यातिथि बौले हो थे।

कुलपति ने रसायन वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि उनके अनुसंधान किसानों के कल्याण के लिए केन्द्रित होने चाहिए जैसे कम माइटोटाइक्सिसिटी वाले नए



कुलपति प्रो. गो.आर. काम्होज विजेता विद्यार्थियों के साथ

गोपालुरेंद्री और नेमाटीसाइडल का विकास, कृषि रसायन व्यवहार और खतरों की पहचान, कृषि अपशिष्ट के उपयोग के लिए प्रक्रियाओं का विकास, हरित रसायन अनुसंधान और नैनोकण विकास आदि।

हरियाणा राज्य उच्च शिक्षा

परिषद के सदस्य प्रो. ओम प्रकाश विकास, कृषि रसायन व्यवहार और खतरों की पहचान, कृषि अपशिष्ट के उपयोग के लिए प्रक्रियाओं का विकास, हरित रसायन अनुसंधान और नैनोकण विकास आदि।

कृषि रसायन के सदस्य प्रो. ओम प्रकाश विकास को कहा कि हरित क्रांति से पहले भारत को अमेरिका से अनाज आयात करना पड़ता था लेकिन कृषि वैज्ञानिकों के योगदान से अब हम दूसरे देशों को भी अनाज का निर्यात कर रहे हैं। उस समय पैदावार बढ़ाने

के लिए स्वयंसिक्षित उर्वरकों का प्रयोग किया जाता था जोकि समय की जरूरत थी लेकिन अब हम जैविक व प्राकृतिक खेती को द्वितीय तरा नैतिक विज्ञान एवं अपनाकर ग्रामवात्ता से परिपूर्ण अनाज को पैदावार की तरफ भी ध्यान दे रहे हैं।

प्रतियोगिताओं के परिणाम

गणण प्रतियोगिता : प्रयोग पुस्तक दिनों ने प्राप्त किया, जबकि द्वितीय पुस्तकार लिए और तीसरी पुस्तकार लिंगांशी ने जीता। एपिलोटियन पुस्तकार प्रिया व अलाया ने गिरावंत लिए।

इंटर कॉलेज प्रतियोगिता : गवर्नर्स पी.जी. कॉलेज, विशार की ऐप्ली अकादमी, मुकुलन व एंडेज प्रज्ञा जबकि इंटरिया कृष्णता सामुदायिक विज्ञान ग्रामविद्यालय की गुरुज, रेणु व प्रतिवान को द्वितीय पुस्तकार निलंग। वही द्वितीय के द्वारा ग्रामविद्यालय से नाम, अंतिम कॉलेज व प्रिया यात्रा तीसरे स्थान पर रहे।

इंटर कॉलेज वर्किंग गोडल प्रर्दीनी : कृषि ग्रामविद्यालय के अंतिम ग्रामीण व लग्नाया यात्रा प्रतार, गोडीला नैतिक कॉलेज, मुकुलन व गुरुजन व दीपि द्वितीय तरा नैतिक विज्ञान एवं ग्रामविद्यालय की सुधारु व पुजा द्वारा तृतीय स्थान पर रही।

अंतर विद्यालय प्रतियोगिता प्रतियोगिता

: सेंट एंड्रेजी स्कूल के लक्ष्म, देव निलंग व इत्यादी प्रथम, सिद्धार्थ इंटरनेशनल स्कूल के रघुनंदन गोहा, लक्ष्म व निलंग द्वितीय तथा दी आर्टिन स्कूल के प्राणव, अर्जुन गोहा व सातिवाली देवांग तृतीय स्थान पर रहे। इंटर स्कूल वर्किंग गोडल प्रर्दीनी : गोडील नैतिक व लैंडिंग स्कूल के लक्ष्म व गुरुजन व गुरुजन को 'प्रतियोगिता में विनियोग' दिलाया। वही दी आर्टिन स्कूल के अदित्य व दीपिका को 'ऐटर नैतिकों' विजय एवं द्वितीय जबकि इंटर कॉलेज विजय व अरु को 'प्रतियोगिता में विनियोग' दिलाया। इसी प्रकार दी आर्टिन ग्रामविद्यालय की संभाल व अंगिरा, सेंट एंड्रेजी स्कूल, दिलाय की गत्वा सुन्दरन व नैतिक तथा दिलायी प्राविक स्कूल, विद्यार के अभय व तिवान को प्रियोरिटी पुस्तकार निलंग।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
चिराग टाइम्स	21.11.2023	--	--

रसायनों का संतुलित प्रयोग कृषि में स्थिरता के लिए जरूरी: प्रो. बी.आर. काम्बोज



हिसार (चिराग टाइम्स)

वर्तमान समय में कृषि में उपयोग किए जा रहे फफड़नाशकों और कोटनाशकों के प्रति कोटीं और खरपतवारों में प्रतिरोधकता का विकास कृषि उत्पादों की सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बना हुआ है। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि लगभग आधी सदी से जैविक रसायन का उपयोग कृषि में खाद्य उत्पादन को बढ़ाने और फसल सुरक्षा के लिए हो रहा है। उन्होंने कहा रसायनों का संतुलित प्रयोग कृषि में स्थिरता के लिए जरूरी है। हरियाणा राज्य शिक्षा परिषद के सदस्य प्रो. ओम प्रकाश अरोड़ा ने मध्य सभापति में जिनमें स्कूलों और कालेज के विद्यार्थियों ने उत्पादक भाग लिया। कार्यक्रम को रसायन विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. रघुनीकाल शर्मा ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम के अंत में कैपस स्कूल की निदेशक श्रीमती संतोष कुमारी ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। मंच का संचालन पीएचडी छात्रा सुचिता छावड़ा ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों के अधिकारी, निदेशक, विभागध्यक्ष, वैज्ञानिक, विद्यार्थी व कर्मचारी मौजूद रहे। में रहे उपरोक्त प्रतियोगिताओं के परिणाम-

उपरोक्त कार्यक्रम के लालत आयोजित बी गई प्रतियोगिताओं के परिणाम इस प्रकार रहे- भाषण प्रतियोगिता = प्रथम पुरस्कार रिद्दी ने प्राप्त किया, जबकि द्वितीय पुरस्कार रिटु और तृतीय पुरस्कार हिमांशी ने जीता। एप्रिसोएशन पुरस्कार प्रिया व अलंका को मिला। इंटर कॉलेज प्रश्नोत्तरी

प्रतियोगिता में यवनमेट पी.जी. कॉलेज, हिसार की रेणुका भाद्राज, मुस्कान व पंकज प्रथम जबकि इंदिरा जबकि विज्ञान महाविद्यालय की गुरुन, रेणु व प्रतिभा को द्वितीय पुरस्कार मिला। वहीं हजारी के कृषि महाविद्यालय से नमन, अपित लंबोज व प्रिया यादव तोमर स्थान पर रहे। इंटर कॉलेज वाकिंग मॉडल प्रदर्शनी में कृषि महाविद्यालय के अंकित गावडी व कल्पना यादव प्रथम, ओडीएम महिला कॉलेज, मुकलान की मुस्कान व दीपि द्वितीय तथा मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय की खुल्ला व पुजा देवी तृतीय स्थान पर रहे। अंतर विद्यालय प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में मेट एथोनी स्कूल के लक्ष्य, देव मलिक व दिव्याशी प्रथम, विद्यार्थ इंटरनेशनल स्कूल के रवित मेहरा, रघुवर व कनिका द्वितीय तथा दी आर्यन स्कूल के प्रणव, अर्नव गांधी व सातियकी रेहपड़े तृतीय स्थान पर रहे। स्कूल वाकिंग मॉडल प्रदर्शनी में ओपी विदल मॉडल स्कूल के नमन व गुर्जर को 'प्रकृति से भविष्य तक' विषय पर प्रथम पुरस्कार मिला। वहीं दी आर्यन स्कूल के आदित्य व दीपिका को 'बस्स मैनेजमेंट' विषय पर द्वितीय जबकि डोएली पुलिस परिवक स्कूल, हिसार की इशिका व अनु को 'प्रकृति से भविष्य तक' विषय पर दूसरी दी आर्यन सुनिवर्सल स्कूल की समिति व अनिदया, सेट मैरी स्कूल, हिसार की मन सुनन्दन व नदिता तथा दिल्ली परिवक स्कूल, हिसार के अभ्यव व शिवम को एप्रिसोएशन पुरस्कार मिला।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठकपक्ष न्यूज	21.11.2023	--	--

हक्कि के 10 विद्यार्थी पौलेंड के बारसॉ विश्वविद्यालय में जाकर लेंगे प्रशिक्षण

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. कामोज ने चयनित विद्यार्थियों को दी बधाई

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 21 नवम्बर : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के 10 विद्यार्थियों का पौलेंड के बारसॉ विश्वविद्यालय में प्रशिक्षण के लिए चयन हुआ है। ये विद्यार्थी उपसेक्ट विश्वविद्यालय में कृषि, गृह विज्ञान और मरु विज्ञान के क्षेत्रों में नवीन प्रौद्योगिकियों, नवाचरों आदि बारे व्यवहारिक ज्ञान प्राप्त करेंगे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. कामोज ने पौलेंड में प्रशिक्षण हेतु चयनित उपसेक्ट विद्यार्थियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह विश्वविद्यालय में शिक्षा व शोध में अपना जा रहे उच्च मानकों का परिणाम है। अब तक इस विश्वविद्यालय के अनेक विद्यार्थी उच्च शिक्षा व प्रशिक्षणों के लिए विश्व प्राप्तिक्षण विश्वविद्यालयों में जा चुके हैं। कृषि महाविद्यालय के ऑफिशियल डॉ. एम.के. पटेल ने बताया कि उपसेक्ट विद्यार्थियों का चयन



राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना (एनएचई-आईडीपी) के तहत अंतर्राष्ट्रीय संगठन में छात्र विकास कार्यक्रम को प्रक्रिया के अंतर्गत परिवर्ता और साथान्कार आधार पर हुआ है। उन्होंने बताया कि हक्कि की ओर से प्रशिक्षण अवधि के दौरान विज्ञा, आने जाने का किशोरा, मेडिकल इंजीनियरिंग आदि के लिए भता दिया जाएगा।

उन्होंने बताया कि इन चयनित विद्यार्थियों में कृषि महाविद्यालय, हिसार के तृतीय वर्ष के छात्र सुशांत नायापाल, चतुर्थ वर्ष की छात्रा निधि व विशाल, कृषि महाविद्यालय, बाकल से मुनीज व नैनसी, कृषि महाविद्यालय कौल से हरितेमा व अनु. सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय से ममता व मुक्तान और मरु विज्ञान महाविद्यालय से अभियंता शामिल हैं। इस अवसर पर चयनित विद्यार्थियों ने कुलपति प्रो. बी.आर. कामोज के मार्गदर्शन में चलाई जा रही अंडाई परियोजना के प्रमुख अवेक्षक व साक्षकात् शिक्षा अधिकारी डॉ. के.डी.शर्मा व अंतर्राष्ट्रीय मापदंडों के संयोजक डॉ. अनुज गुणा व आधार व्यक्त किया। इस अवसर पर यानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय की निदेशक डॉ. मंजु मेहता, अंतर्राष्ट्रीय सेल की प्रभारी डॉ. आशा कवात्रा व मोटिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य उपस्थित हैं।